रघुवर तुमको मेरी लाज

रघुवर तुमको मेरी लाज ।
सदा सदा मैं शरण तिहारी,
तुम हो गरीब निवाज़ ॥

पतित उद्धारण विरद तिहारो,
शरावानन सुनी आवाज ।
हूँ तो पतित पुरातन कहिए,
पार उतारो जहाज ॥

अघ खंडन दुःख भन्जन जन के,
यही तिहारो काज ।
तुलसीदास पर कृपा कीजे,
भक्ति दान देहु आज ॥

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/380/title/raghuvar-tumko-meri-laaj-raam-bhajan-by-saint-tulsidaas

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |